



किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



वर्ष: 1 अंक: 331 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 18 सितंबर 2023 <http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

भाइ ने एसीफ 37 गेंद में जीत लिया एशिया कप का फाइनल, बनाया नया वर्ल्ड इकॉर्ड, ऑस्ट्रेलिया को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने एशिया कप 2023 का फाइनल एकतरफा अंदर जीता। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी और रिकॉर्ड 8वें बार एशिया कप का टाइटल जीता। मैच में श्रीलंका की टीम पहले खेलते हुए 15.2 ओवर में सिर्फ 50 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। 9 खिलाड़ी दहार के आंकड़े को नहीं खुले सके, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 21 रन देकर 6 विकेट लिया, यह उनका बनडे का बेटे प्रदर्शन है। जवाब में भारतीय टीम ने लक्ष्य को 6.1 ओवर में बिना विकेट के



हासिल कर लिया। शुभमन गिल 19 गेंद पर 27 और ईशान कपूर 23 रन किशन 18 गेंद पर गई है। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। बनाया नया वर्ल्ड इकॉर्ड था। उससे टीम इंडिया ने श्रीलंका के अधिक देशों के बीच होने वाले बनडे टूर्नामेंट की बात करें, तो

226 गेंद शेष करते इंग्लैंड को 10 विकेट से रैंड दिया था। मैच में इंग्लैंड की टीम पहले खेलते हुए सिर्फ 117 रन ही बना सकी थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य को 12.2 ओवर में हासिल कर लिया था।

सिर्फ 129 गेंद में खत्म हो मैच

भारत और श्रीलंका का मैच सिर्फ 129 गेंद में खत्म हो गया। बनडे क्रिकेट की बात करें, तो यह गेंद के लिहाज से तीसरा सबसे छोटा मैच है। इससे पहले 2020 में नेपाल-अमेरिका का मैच 104 गेंद में जबकि 2001 में श्रीलंका-जिम्बाब्वे का मैच 120 गेंद पर खत्म हुआ था। टीम बड़ी जीत कही जा सकती है।

जौहर पूनिवर्सिटी और जौहर ट्रस्ट में नियम विरुद्ध व्याज बुकान पर शास्त्र देखा

रामपुर जिला सहकारी बैंक के दो अधिकारी हो चुके हैं निलंबित

समाज जागरण



शावज अहमद रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी, जौहर ट्रस्ट और रामपुर पब्लिक स्कूल को नियम विरुद्ध व्याज का भुगतान करने के मामले में शासन सख्त है। इस मामले में पहले ही रामपुर जिला सहकारी बैंक के दो अधिकारी निलंबित हो चुके हैं। जिसके बाद अब बैंक को भुगतान की गई 21.96 लाख रुपए की धरमाशी भी बास्तव मिल गई है।

जिला सहकारी बैंक की जौहर यूनिवर्सिटी शाखा ने जौहर यूनिवर्सिटी और जौहर ट्रस्ट के नाम से संचालित खातों के बचत खाता मानते हुए जुलाई 2022 में यूनिवर्सिटी को 17.58 लाख और ट्रस्ट को 2.18 लाख रुपए व्याज का भुगतान कर दिया था। जबकि जिला सहकारी बैंक की ही डिग्री

मोहम्मद आजम खां के द्वारा किया जा रहा है। नियमों के अनुसार ऐसा नहीं किया जा सकता। जैसे ही यह मामला शहर विधायक आकाश सक्सेना के संज्ञान में आया तो

उन्होंने मुख्यमंत्री से शिकायत कर दी जिसके बाद जांच में व्याज का भुगतान नियमों के विरुद्ध समान आया। जिसके बाद शासन ने जिला सहकारी बैंक रामपुर के सचिव उपेंद्र कुमार सास्वत, जिला सहकारी बैंक रामपुर के उपमहाप्रबंधक शकील अहमद को निलंबित कर दिया था। वहीं अब तीनों संस्थानों की नियम विरुद्ध दिए गए व्याज की धनराशि जिला सहकारी बैंक रामपुर को बास्तव मिल गई है।

शहर विधायक आकाश सक्सेना ने बताया कि जिला सहकारी बैंक ने आजम खां को अनुचित तरीके से लाभ पहुंचाया था जिसको शिकायत की गई थी। इस मामले में दो अधिकारियों के निलंबन के बाद अब संस्थानों को दो गई व्याज की धनराशि भी बास्तव मिल गई है। यह धनराशि 21.96 लाख रुपए है।

अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने आज प्रातः हनुमान से सुन मरिंदर पर प्रधानमंत्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन हेतु पूजन अर्चना भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश लखनऊ समर्थ कुमार सक्सेना लखनऊ के अध्यक्ष और अजहरुदीन और एमएस धोनी ने भी ऐसा किया है। धोनी ने बैठक कराने एक बार बनडे तो एक बार टी20 एशिया कप का टाइटल अपने नाम किया है। वहीं रोहित और अजहरुदीन ने बनडे पर खत्म हो रहे बनडे एक बार अपने नाम किया है। इससे पहले 2020 में नेपाल-अमेरिका का मैच 2-2 बार अपने नाम किए हैं। 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे बनडे वर्ल्ड कप से पहले यह टीम की बड़ी जीत कही जा सकती है।

जिसमें सेवा के काम रचनात्मक, काम और पार्टी के संचालनात्मक, काम और पार्टी के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु जीवन की शिकायत कर दी जिसके बाद जांच में व्याज का भुगतान नियमों के विरुद्ध समान आया। जिसके बाद शासन ने जिला सहकारी बैंक रामपुर के सचिव उपेंद्र कुमार सास्वत, जिला सहकारी बैंक रामपुर के उपमहाप्रबंधक शकील अहमद को निलंबित कर दिया था। वहीं अब तीनों संस्थानों की नियम विरुद्ध दिए गए व्याज की धनराशि जिला सहकारी बैंक रामपुर को बास्तव मिल गई है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से शिकायत कर दी जिसके बाद जांच में व्याज का भुगतान नियमों के विरुद्ध समान आया। जिसके बाद शासन ने जिला सहकारी बैंक रामपुर के सचिव उपेंद्र कुमार सास्वत व जिला सहकारी बैंक रामपुर के उपमहाप्रबंधक शकील अहमद को निलंबित कर दिया था। वहीं अब तीनों संस्थानों की नियम विरुद्ध दिए गए व्याज की धनराशि जिला सहकारी बैंक रामपुर को बास्तव मिल गई है।

जिसके बाद जांच में व्याज का भुगतान नियमों के विरुद्ध समान आया। जिसके बाद शासन ने जिला सहकारी बैंक ने आजम खां को अनुचित तरीके से लाभ पहुंचाया था जिसको शिकायत की गई थी। इस मामले में दो अधिकारियों के निलंबन के बाद अब संस्थानों को दो गई व्याज की धनराशि भी बास्तव मिल गई है। यह धनराशि 21.96 लाख रुपए है।

संसद का विशेष सत्र आज से हो चक्का शुरू



यह विशेष सत्र पुराने संसद भवन में शुरू होगा और फिर 19 सितंबर को दो दिन तक चलेगा। (फाइल फोटो: PTI)

11 बजे संसद बॉल में एक समारोह होगा। उसके बाद, हम नई संसद में प्रवेश करेंगे। नई संसद का सत्र 19 सितंबर से फिर 20 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद आजम खां को दो दिन तक चलेगा। इसके बाद आजम खां को दो दिन तक चलेगा।

भारतीय संसद की 75 साल की यात्रा पर चर्चा केंद्र ने संविधान सभा से शुरू होने वाली 75 साल की साथ संसदीय योग्यता पर एक विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार की है। इसमें आजम खां, योद्धा और सीधों का विशेष शामिल होगा। शीर्ष संसदीय सभा से शुरू होने वाली संसद की 75 साल की यात्रा पर विशेष चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा द्वारा पारित किया गया था। पोस्ट ऑफिस बिल, 2023 को भी लोकसभा के कामकाज में शुरूबद्ध किया गया है।

भारतीय संसद की यात्रा पर चर्चा के दौरान विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है। यह विशेष चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है। यह विशेष चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री की विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है।

विशेष सत्र: पेश हो सकते हैं अहम विधेयक सत्र के दौरान सकारा ने मुख्य चुनाव आजम और अन्य दोनों दिनों के दौरान विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार की है। यह विशेष सत्र के दौरान प्रधानमंत्री की विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है।

विशेष सत्र: पेश हो सकते हैं अहम विधेयक सत्र के दौरान सकारा ने मुख्य चुनाव आजम और अन्य दोनों दिनों के दौरान विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार की है। यह विशेष सत्र के दौरान प्रधानमंत्री की विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है।

विशेष सत्र: पेश हो सकते हैं अहम विधेयक सत्र के दौरान सकारा ने मुख्य चुनाव आजम और अन्य दोनों दिनों के दौरान विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार की है। यह विशेष सत्र के दौरान प्रधानमंत्री की विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है।

विशेष सत्र: पेश हो सकते हैं अहम विधेयक सत्र के दौरान सकारा ने मुख्य चुनाव आजम और अन्य दोनों दिनों के दौरान विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार की है। यह विशेष सत्र के दौरान प्रधानमंत्री की विशेष चर्चा की रूपरेखा तैयार हो रही है।

विशेष सत्र: पेश हो सकते हैं अहम विधेयक सत्र के दौ

सभी विष्णों के हर्ता भगवान् श्री गणेश

दैनिक समाज जागरण

सभी देवताओं में प्रथम पूजे जाने का अधिकार विद्याशक श्री गणेश के पास है। शंकर पार्वती के कलिष्ठ पुत्र जिनका सर गज का है। इसलिये इहें गणनां भी कहा जाता है। एक बार भक्ति में आकर पिता शंकर ने श्री गणेश का सर ही पूजे जिसुल से काट डाला था। बाद में अपने ही पुत्र की हत्या करने की नानकारी होने पर भगवान् शंकर ने गज का सर जोड़कर गणेशजी को पुर्णजीवन प्रदान किया एवं उहें आशीर्वाद प्रदान किया कि सभी देवताओं और मुझसे भी पहले तुम्हारा कठन में ही वाची देवताओं की पूजा करने पर सबकी पूजा सर्वशक्त होगी। इस अवसर पर उपर्युक्त मां पार्वती एवं अनेक देवताओं ने भी उहें अनेक वर देकर अभिष्ठित किया। आज हमारे देश में ही नहीं बरन विदेशों में भी गणेश चतुर्थी अपने पर उनकी प्रतिमा रखाया कर उनकी आराधना करने का चलन सर्व प्रचलित हो चुका है। गाँव गाँव और शहरों में प्रायः हर गली मुहुर्ले में साज सजावट और पंडाल बनाकर युवाजन गणेश प्रतिमा की स्थापना बड़े जारी रखाये और उत्साह से करते हैं। इस अवसर पर अनेक स्थानों में सांस्कृतिक और संगीत काव्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। यह उत्सव दस दिन चलता है उसके बाद अनंत चतुर्दशी को "गणपति वाणा मोरया, आसे बरस तु जलदी आ" के नारों के साथ गणेश की प्रतिमा को नदी जलतारों में विसर्जित कर दिया जाता है। श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है, आजादी पूर्व जब देश अंग्रेज शासकों की गुलामी में देशवासी सिसक रहे थे। चांपी और अंग्रेजों का आतंक और फूट डालो राज करों की नीति का व्यापक रूप। ऐसे गणपति की स्वतंत्रता के महान सेनानी "बाल गंगाधर तिलकन" ने इस परम्परा का बीजायोग किया। उहोंने सर्वप्रथम गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर लोगों के बीच भाईचारे संगति और संगीत काव्यक्रम में विसर्जित कर दिया जाता है। श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना का इतिहास ज्यादा पुराना नहीं है, आजादी पूर्व जब देश अंग्रेज शासकों की गुलामी में देशवासी सिसक रहे थे। चांपी और अंग्रेजों का आतंक और फूट डालो राज करों की नीति का व्यापक रूप। ऐसे गणपति की स्वतंत्रता के महान सेनानी "बाल गंगाधर तिलकन" ने इस परम्परा का बीजायोग किया। उहोंने सर्वप्रथम गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर लोगों के बीच भाईचारे संगति और एकता का सदैश फैलाने के उद्देश से वर्षायोत्सव का शुभारंभ किया। यह परम्परा धीरे धीरे बरबई पूर्णे से वर्षों - फैलते पूरे दुर्घावाड़ा में फैल गया। उहोंने बाद जल्दी ही यह सारे राष्ट्र का पर्व बन गया। और अब सारी दुनिया में इसे बढ़े उत्साह से स्थापित कर दिखून्हों द्वारा उत्साह का प्रदर्शन हो रहा है।



उदाहरणार्थ ऋषेवद सहित में गणेश की स्तुति इस प्रकार की गई है।

"हे ब्रह्मणस्ति, तुम देवों में गणपति

और तुम्हारा अन्न सर्वाच्छ और

अमानुष्यानि है।

तुम प्रश्नसनीय लोगों में राजा और

मंत्रों के स्वामी हो। हम तुम्हें बुलाते

हैं।

तुम हमारी स्तुति सुनकर आश्रय

प्रदान करने के लिये ज्ञज ग्रह में

वैठो।"

इस स्तुति में ब्रह्मणस्ति का अर्थ वाक्याति अर्थात् वाणी का स्वामी से है। और गणपति का अधिष्ठाप्ति है गुणों - का पाति।

महाहस्ती, एकदंत, वक्रउण्ड तथा -

दन्ती नामों से भी उहें पुकारा

स्तुति इस प्रकार की गई है।

"नमो गणेशो गणपतिभ्यश्व"

अर्थात् गणों को और आप गणपतियों

परिस्थितियों में स्वतंत्रता के महान

सेनानी "बाल गंगाधर तिलकन" ने इस परम्परा का बीजायोग किया। उहोंने सर्वप्रथम गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर लोगों के बीच भाईचारे संगति और एकता का सदैश फैलाने के उद्देश से वर्षायोत्सव का शुभारंभ किया। यह परम्परा धीरे धीरे बरबई पूर्णे से वर्षों - फैलते पूरे दुर्घावाड़ा में फैल गया। उहोंने बाद जल्दी ही यह सारे राष्ट्र का पर्व बन गया। और अब सारी दुनिया में इसे बढ़े उत्साह से स्थापित कर दिखून्हों द्वारा उत्साह का प्रदर्शन हो रहा है।

वैसे उत्तर भारत में मुख्यतः

शिव पार्वती की पूजा ज्यादा प्रचलित है, किंतु दक्षिण में शिव पार्वती के साथ गणेश और उनके अग्रज भ्राता कर्तिकय की पूजा भी बड़े उत्साह के साथ की जाती है। गणेश जी की पूजा वापराकारों में भी जारी रही है। वर्तीनी विवाहों के साथ अनिवार्यतः मारी गई है।

अनंत चतुर्दशी का पर्व भी

हालांकि गणेश पूजा से ही संबंधित

स्थापित कर उहें पूजा जाता है। लाभ के अवसर पर स्थान पाते हैं। जिस प्रकार शिव के अनेक पर्याय व निर्णय ब्रह्म की भक्ति के रचयिता नाम हैं, उसी प्रकार श्रीगणेश की भक्ति का दिवस है। इस दिन भक्तगण अन्य कारों को चर्चा हुई है।

है पर इस दिन भगवान् विष्णु की

कथा सुनी जाती है। इस पर्व (ब्रत)

के नाम से ही बोध होता है कि यह

दिन उस अंतीम सुषुप्ति के रचयिता

नाम है। उसी प्रकार श्रीगणेश की भक्ति का दिवस है।

इस दिन भक्तगण अन्य कारों को

चरित्र तथा सच्चिदित्रा का तात्पर्य अच्छा

चाल चलन, अच्छा स्वभाव, अच्छे

व्यवहार से है। मनुष्य समाज के बीच रहने

वाला दोपाया है। अतः समाज के मध्य ऐसे

गुणों का होना आवश्यक है, जिनके द्वारा

वास्तव में शांति पूर्वक रहते हुए देश की

प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मनुष्य समाज का बोध भली भाँति

परिचित है, उसका हिंदू भावार्थ है, यदि

धन गया तो कुछ भी नहीं गया, यदि

धन गया तो थोड़ा गया, और यदि चरित्र चला गया तो सब कुछ चला गया।

उनके द्वारा कथन से चरित्र का महत्व स्पष्ट

परिलक्षित होता है।

कर्म मानव की

अधिकारिति है, वैसे ही उसके बाद चरित्र की

प्रगति होती है। चरित्र व्यक्ति के

समाज में शांति पूर्वक रहते हुए देश की

प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मनुष्य समाज का बोध भली भाँति

परिचित है, उसका हिंदू भावार्थ है,

यदि धन गया तो कुछ भी नहीं गया, यदि

धन गया तो थोड़ा गया, और यदि चरित्र चला गया तो सब कुछ चला गया।

उनके द्वारा कथन से चरित्र का महत्व स्पष्ट

परिलक्षित होता है।

कर्म मानव की

अधिकारिति है, वैसे ही उसके बाद चरित्र की

प्रगति होती है। चरित्र व्यक्ति के

समाज में शांति पूर्वक रहते हुए देश की

प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मनुष्य समाज का बोध भली भाँति

परिचित है, उसका हिंदू भावार्थ है,

यदि धन गया तो कुछ भी नहीं गया, यदि

धन गया तो थोड़ा गया, और यदि चरित्र चला गया तो सब कुछ चला गया।

उनके द्वारा कथन से चरित्र का महत्व स्पष्ट

परिलक्षित होता है।

कर्म मानव की

अधिकारिति है, वैसे ही उसके बाद चरित्र की

प्रगति होती है। चरित्र व्यक्ति के

समाज में शांति पूर्वक रहते हुए देश की

प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

मनुष्य समाज का बोध भली भाँति

परिचित है, उसका हिंदू भावार्थ है,

बैठक में प्रयागराज मण्डल के सभी जिलाधक व कार्यकर्ता माजूद हैं सभा का संचालन नियंत्रित यादव जिला सचिव फतेहपुर ने किया कार्यकर्ताओं ने कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष माननीय जगनायक स्थिति का बूल मालाओं से जोरदार स्वागत



मजबूती से बनेगा लोगों से विचार समझ किया गया इसके बाद संगठन में कमटी जल्द बूझ जाएगी। इस मौके पर मुना यादव भागीरथी यादव अनिल यादव दीनानाथ यादव अशफैराल शास्त्री अमरनाथ सीता शाण यादव मंजू यादव सुप्रभा यादव सुश्राव सिंह यादव अनिल यादव विप्र यादव महेन्द्र यादव विप्र यादव गठन के लिए चर्चा हुई और महिला सभा का भी गठन किया जाएगा और युवा यादव महासभा का भी संगठन में गंगा और जमुना पार जिला अध्यक्ष और शहर अध्यक्ष के लिए

जिले में बड़े धूनधान से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती

विश्वकर्मा जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ, लोगों ने लोहे के औजार का किया पूजा अर्चना।

दैनिक समाज जागरण

सुनील श्रीवास्तव

सिद्धार्थनगर।

जिले के इटवा

तहसील अंतर्गत ग्राम सोना में

प्रत्यक्ष वर्ष भी भासी इस वर्ष भी

भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती

बड़े ही धूनधान से मनाई गयी। इस

अवसर पर विश्वकर्मा भगवान की

झांकी भी निकली गई। जिसमें

विश्वकर्मा गांव से आए लोगों ने अपने

लोहे के औजार को भगवान

विश्वकर्मा की मूर्ति के सामने रखकर

पूजा अर्चना किया। वहीं प्रतीप

विश्वकर्मा उफ बब्ल, ने कहा कि

भगवान विश्वकर्मा की पूजा सिंतंबर

माह में बड़े ही धूमधाम से मनाई

जाती है और विश्वकर्मा भगवान की

पूजा पूरे विधि-विधान से की जाती

है। धर्मशास्त्रियों के अनुसार

विश्वकर्मा जी ब्रह्मा जी के सातवें



दृष्टिनामु, स्वर्गलोक, लंका और जगन्नाथपुरी का निर्माण करवाया था। इसके साथ ही भगवान शिव शिशुल और विष्णु भगवान का सुशूश्न चक्र भी तैयार किया था। इस पूजा में उपस्थिति, दान वहांतुर विश्वकर्मा, सुनील, गोली-गलोज का विराध

विश्वकर्मा जी ने ही देवी-देवताओं के लिए तमाम अस्त्र-सत्र समेत स्वर्गलोक, इंद्रलोक, लंका नगरी, द्वारिका नगरी आदि का निर्माण किया था, विश्वकर्मा भगवान सभी शिल्पकारों वास्तुकारों के इश्वर हैं। और ब्रह्मा के पुत्र पूर्ण ग्रहां

विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, उदय राज भारती, अशनी कश्यम, अजीत कुमार, छोटू श्रीवास्तव, बजरंगी अग्रही, रत सोनी, रवि विश्वकर्मा, मंसराम शर्मा, संतोष विश्वकर्मा, त्रिभुवन विश्वकर्मा, गांव के आदि लोग उपस्थित हैं।

पूजा अर्चना कर उनके दीघार्यु होने की कामना की भी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मंत्री के जानकारी के बावजूद दर्शकों की रजिस्ट्री करने को नहीं तैयार हो रहे हैं। जब उन्होंने सुशील का फोन उठाना बंद कर दिया, तो पीड़ित ने पुलिस से शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। जिसके बाद एसीपी कैट अधिनव कुमार के आदेश पर शनिवार को दर्पण सुरेश अग्रवाल व उसकी पत्नी माया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है। पीड़ित के सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2019 में

सेवानिवृत है।

पीड़ित के मुताबिक उन्हों

